जप ले हरी का नाम

जप ले हरी का नाम, मेरे मन,
काहे भूलो हरी का धाम ।

काम ना आएगी झूठी माया,
ना तेरा मंदिर, ना तेरी काया।
आएगी तेरे जीवन की श्याम ॥

कठिन डगरिया तू चलना ना जाने,
बात पते की काहे ना माने।
जप ले कन्हिया तू चाहे घनश्याम ॥

माटी के पुतले उस के खिलौने,
बैठ जहाँ में तू ना रो रोने।
साथ ना जाए कहीं सस्ते दाम ॥

तन में बसले, मन में बसले,
तेरा प्रीतम उसको पाले।
बोल प्यारे संग जय श्री राम ॥

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/450/title/jap-le-hari-ka-naam-mere-man

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |